



डॉक्टर्स सनेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सर्दी के मौसम में बढ़ जाए जोड़ों का दर्द

मेरी उम्र 58 वर्ष है। सर्दियों में मेरे जोड़ों में दर्द बढ़ जाता है। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं ताकि इस मुश्किल का सामना न करना पड़े।

—कौशल किशोर, रोहताक
सर्दी के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। खासकर अधिक उम्र के लोगों को यह दिक्कत ज्यादा होती है। इससे बचने का तरीका यही है कि सर्दी में एक्सपोजर कम से कम करें। अगर निकलना ही पड़े तो पूरी तरह से वूलन कपड़े पहनकर निकलें। साथ ही खान-पान का विशेष ध्यान रखें और ठंडी या फ्रिज में रखी चीजें खाने से परहेज करें।

मेरी उम्र 26 वर्ष है। सर्दी में डेंड्रुफ की समस्या बढ़ जाती है। मुझे इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?

—रोहन, बिलासपुर
सर्दी के मौसम में यह समस्या गर्म पानी से नहाने की वजह से ज्यादा होती है। इससे बचने के लिए आप अधिक गर्म पानी से ना नहाएं। पानी को नॉर्मल कर लें। साथ ही नियमित रूप से बालों को धुलें, ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो जरूर आपको एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर जब मैं सुबह सोकर उठता हूँ तो गले के पिछले पार्ट में अकड़न लगती है। कुछ देर में ठीक भी हो जाता है। कृपया बताएं ऐसा क्यों होता है?

—राजीव, रायपुर
आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपको सर्वाइकल को दिक्कत है लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। ऐसे में आपको ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वह एक्स-रे कराकर इसका कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट होगा। फिलहाल आप सर्दी से बचें और रात में सोते समय गले के उस पार्ट को प्रॉपर ढंक कर रखें। मेरी उम्र 61 वर्ष है। कर्तब एक साल से मुझे डाइजेसन की प्रॉब्लम है। भूख नहीं लगती है। कृपया मेरी इस समस्या का कोई कारगर समाधान बताएं।

—सुबीर, राजनांदगांव
उम्र बढ़ने के साथ डाइजेसन सिस्टम स्लो हो जाता है। इसलिए आपको खान-पान में विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल

sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

अवेयरनेस

अशु सिंह

आपको शायद पता नहीं होगा कि अपने देश के बड़े वर्ग के लोगों में एक चिंताजनक स्वास्थ्य संकट बढ़ रहा है। वह है विटामिन-डी की कमी। कुछ अध्ययनों के अनुसार प्रचुर मात्रा में धूप होने के बावजूद 70 प्रतिशत से अधिक भारतीयों में इस आवश्यक पोषक तत्व की कमी है।

अकसर कई लोगों की उदासी, गुस्सा, चिड़चिड़ाहट की वजह किसी ना किसी प्रकार की चिंता या भय होता है। यही भय उन्हें अवसाद की दहलीज पर भी ले जाता है। रातों की नींद और चैन उड़ जाते हैं। कारण तलाशने पर कुछ भी हाथ नहीं लगता। मुमकिन है कि कुछ ऐसा हो रहा हो, जो बेवजह की उदासी और भय पैदा कर रहा हो। आपको लग रहा हो कि आप डिप्रेशन के शिकार हैं। कुछ लोग तो एंटी डिप्रेशन मेडिसिन लेना शुरू कर देते हैं, जबकि असली वजह शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है।

डॉक्टर्स बताते हैं कि विटामिन हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी होते हैं। अब चाहे वो विटामिन-ए हो, विटामिन-बी, सी या विटामिन-डी। विटामिन-डी की कमी गंभीर मानसिक तनाव दे सकती है और हमें इसका पता भी नहीं चल पाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

हाल के वर्षों में विभिन्न अध्ययनों के जरिए मानसिक स्वास्थ्य में विटामिन-डी की भूमिका का समर्थन करने वाले प्रमाण पाए गए हैं। विटामिन-डी की कमी, खासकर अवसाद और चिंता के लक्षणों को बढ़ा सकती है। कई शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि शरीर में विटामिन-डी की कमी से न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, भूलने की बीमारी, दुविधा, थकान, मनोदशा में बदलाव, भूख न लगना, दर्द के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि, एकाग्रता की कमी, उर का



बढ़ना, अत्यधिक निराशा या उदासी की भावना, वजन कम होना या बढ़ना, चिंता आदि समस्याएं भी हो सकती हैं। कई अन्य अध्ययनों में अल्जाइमर रोग से पीड़ित लोगों के साथ-साथ संज्ञानात्मक हानि वाले स्वस्थ वयस्कों में विटामिन-डी के स्तर में कमी की बात सामने आई है, जो विटामिन-डी और संज्ञानात्मक कार्य के बीच संबंध का संकेत देती है।

भारत में चिंताजनक है स्थिति

मेडिकल जर्नल नेचर में प्रकाशित एक शोध के अनुसार अफगानिस्तान, ट्यूनीशिया जैसे देशों की लगभग 20 प्रतिशत से भी अधिक आबादी विटामिन-डी की कमी से ग्रस्त है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप के लोग भी विटामिन-डी की कमी से जूझ रहे हैं। इन देशों में यह आंकड़ा क्रमशः 5.9 फीसदी, 7.4 फीसदी और 13 फीसदी के आस-पास है। एक अध्ययन के मुताबिक, भारत की करीब 70

विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण, प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्य और समग्र स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में अगर इसकी कमी का निदान नहीं हो पाता है, तो उससे डिप्रेशन, एंजायटी जैसी मानसिक समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। यहां आपको विस्तार से बता रहे हैं विटामिन-डी की महत्ता, इसके प्रमुख स्रोत, इसकी कमी के लक्षण और कमी दूर करने के उपायों के बारे में।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है विटामिन-डी



फीसदी शहरी आबादी विटामिन-डी की कमी से जूझ रही है। जबकि देश में प्रचुर मात्रा में सूर्य की रोशनी उपलब्ध है। इसके बावजूद, लगभग 10 में से 9 व्यक्तियों में इस आवश्यक पोषक तत्व की कमी पाई जाती है।

विटामिन डी की कमी के कारण

लोगों में विटामिन डी की कमी के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। जैसे, शहरीकरण एवं प्रदूषण की वजह से लोगों का ज्यादा समय घर के अंदर रहना, धूप में कम समय बिताना आदि। सूर्य के प्रकाश के संपर्क में न आने की वजह से इसकी कमी, शरीर की विटामिन-डी के संश्लेषण की क्षमता को काफी कम कर देती है। शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का उच्च स्तर एक अवरोधक के रूप में कार्य करता है, जो विटामिन-डी के संश्लेषण के लिए आवश्यक पराबैंगनी-बी (यूवीबी) किरणों को अवरुद्ध करता है।



वैद्य डॉ. अमृता शर्मा

लीवर की समस्या से भी हो सकती है कमी

आज की जीवनशैली में जहां सूर्य का प्रकाश हानिकारक माना जा रहा है। लोग अपनी त्वचा को धूप से बचाने के लिए शरीर को ढंकते हैं। फेशन उद्योग द्वारा सनस्क्रीन लोशन का प्रचार, वातानुकूलित कमरों में रहना, त्वचा से लिपके कपड़े, उचित आहार और दिनचर्या का अभाव विटामिन-डी की कमी के कारण हैं। कभी-कभी सूर्य के प्रकाश के पर्याप्त संपर्क में आने के बाद भी विटामिन-डी की कमी देखी जाती है। यह लीवर की समस्या के कारण हो सकता है, क्योंकि लीवर विटामिन-डी का उत्पादन करने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करता है। अगर लीवर ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो यह विटामिन-डी की कमी का कारण बनता है। विटामिन-डी एक वसा में घुलनशील विटामिन है, इसलिए इस विटामिन के कैप्सूल लेने के बाद भी यदि लीवर ठीक से काम नहीं करता है, तो शरीर के लिए इस विटामिन का उपयोग करना मुश्किल होगा और लाभ के बजाय यह विटामिन कैप्सूल शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए व्यक्ति को सुबह की धूप में उतर करना चाहिए, दौरे कपड़े पहनकर व्यायाम करना चाहिए।

उपयोगी फल

शिवचरण चौहान

भारत में लगभग सभी जगह, सभी ऋतुओं में पपीता आसानी से मिल जाता है। पपीता मीठा, पौष्टिक और सस्ता फल है। पपीता के फल, पत्ते, जड़ और फलों के बीज औषधि के रूप में काम आते हैं। आकार, रंग, गंध और स्वाद में भिन्नता लिए हुए पपीते की अनेक किस्में होती हैं। सामान्यतया सभी पपीते बीजयुक्त होते हैं। किसी में बहुत ज्यादा निकलते हैं तो किसी में गिनती के बीज होते हैं। कच्चे फल का छिलका हरा और युवा सफेद होता है। यह सब्जी और आचार बनाने में विशेष तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। फल के पकने पर छिलका का रंग केसरिया हो जाता है। कृत्रिम ढंग से पकाया गया पपीता जहां पीले रंग का होता है, वहीं डाल पर पका केसरिया रंग का होता है। दिखने में पीले रंग का पपीता अच्छा जरूर लगता है लेकिन पौष्टिक तत्वों और स्वाद की दृष्टि से डाल पर अपने आप पका केसरिया रंग का पपीता श्रेष्ठ होता है। आसानी से पच जाने के कारण पका हुआ पपीता रोगियों को पथ्य के रूप में दिया जाता है।

पपीता के फल को भोजन के बाद खाना उचित होता है। पके पपीते से जैम, मिष्ठान, खीर आदि बनाई जाती हैं, जो स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं। जिन व्यक्तियों को लीवर और पाचन संबंधी शिकायत होती है, उनके लिए पपीते का सेवन अत्यंत लाभदायक होता है। आयुर्वेद के अनुसार कच्चा पपीता मलरोधक, वायु तथा कफ को कुपित करने वाला तथा पका हुआ पपीता रस में मधुर, पित्तनाशक, रुचिकारक, भारी और स्वादिष्ट होता है।

मौजूद पोषक तत्व: वैज्ञानिकों का कहना है कि एक पपीते के विभिन्न तत्वों का प्रतिशत इस प्रकार है- जल 89.6 प्रतिशत, वसा 0.1 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 9.4 प्रतिशत, खनिज पदार्थ 0.4 प्रतिशत, प्रोटीन 0.5



परिणाम मिलते हैं।

► एआई तकनीक से बने इमर्जिंग टूलस ऐसे शुरुआत चुन सकते हैं, जिनकी गति और आकार सबसे अच्छा हो। इससे बेहतर भ्रूण बनते हैं और गर्भधारण की संभावना भी बढ़ती है।

► एआई सिस्टम, भ्रूण के विकास को रीयल-टाइम यानी लगातार मॉनिटर करते हैं और किसी भी असामान्यता को तुरंत पहचान लेते हैं। इससे डॉक्टर भ्रूण ट्रांसफर से पहले समय रहते सुधार कर सकते हैं, जिससे गर्भ ठहरने की संभावना बढ़ जाती है।*

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स



पवनमुक्तासन: पवनमुक्तासन का मूल काम सर्दियों में हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना है, जिससे हमारा शरीर सर्दियों में गैस और अपच की परेशानियों से दूर रहता है। इससे पेट की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं। शरीर में हल्कापन महसूस होता है और ऊर्जा का लगातार प्रवाह बना रहता है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता दुरुस्त रहती है।

मिलती है। उद्ग्रासन नियमित रूप से करने से सर्दियों में हमारे शरीर में ऊर्जा का सतत प्रवाह बना रहता है।

इस तरह इस मौसम में किए जाने वाले ये सौधे सरल तीन आसन हमें बहुत राहत देते हैं। इन आसनों का अभ्यास करने से पहले अनुभवी प्रशिक्षक से इनकी सही विधि जरूर सीख लें।*

मेडिटेशनिक

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल आईवीएफ मेंडिकल प्रोसीजर में भी किया जा रहा है। एआई, एंब्रियो के पेटर्न को देखकर यह बता सकता है कि उसको किस क्रम में ट्रांसफर करना चाहिए या कौन-सा भ्रूण सबसे बेहतर रहेगा? इन बारे में डिटेल में बता रही हैं, नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी डॉक्टर, गुरुग्राम की फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. रश्मि अग्रवाल।

आईवीएफ ने दुनिया भर में लाखों दंपतियों को माता-पिता बनने का सपना पूरा करने में मदद की है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई इस क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। एआई डेटा, तस्वीरें और विशेष कंप्यूटर एल्गोरिदम की मदद से ऐसे पेटर्न पहचानता है, जिन्हें आमतौर पर इंसान नहीं देख पाता। इससे डॉक्टरों को इलाज के दौरान ज्यादा सटीक निर्णय लेने में मदद मिलती है। एआई के आने से आईवीएफ

आईवीएफ की सक्सेस रेट बढ़ा सकता है एआई



प्रक्रिया पहले से अधिक प्रभावी, सटीक और मरीज के लिए आसान बन गई है।

► एआई, भ्रूण की तस्वीरें देखकर यह पता लगा सकता है कि कौन-से भ्रूण के सफलतापूर्वक गर्भधारण में लगने की संभावना ज्यादा है। यह एल्गोरिदम बहुत

बड़े डेटा पर प्रशिक्षित होते हैं, जिससे भ्रूण के विकास में आने वाले छोटे-छोटे बदलाव भी पकड़ में आते हैं। इससे स्वस्थ भ्रूण चुनने की प्रक्रिया सटीक होती है।

► एआई की मदद से फर्टिलिटी विशेषज्ञ हर मरीज के लिए डेटा-आधारित और व्यक्तिगत ट्रीटमेंट डिजाइन कर सकते हैं। एआई हार्मोन के स्तर और दवाओं पर शरीर की प्रतिक्रिया का विश्लेषण करके सही दवा की मात्रा और ओवैरियन रिस्पॉन्स का समय तय करता है। इससे अंडाणु की गुणवत्ता बढ़ती है और इलाज से अच्छे

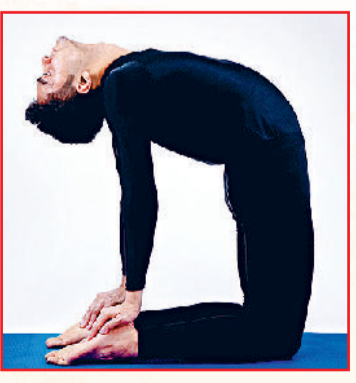
सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान स्वस्थ और फिट रहने के लिए आपको कुछ आसनों को अपने रूटीन में जरूर शामिल करना चाहिए। हम आपको बता रहे हैं, तीन ऐसे ही कारगर आसन।

रोज करिए ये तीन योगासन इस मौसम में रहेंगे स्वस्थ



त्रिकोणासन

सर्दियों में हमें तमाम तरह की परेशानियों से बचाकर रखता है। यह आसन सर्दियों में होने वाली सीने की जकड़न को खोलता है, जिससे ठंडी हवा का प्रभाव खत्म होता है।



उद्ग्रासन

उद्ग्रासन करने से हमारे फेफड़े और हृदय को लाभ होता है। शरीर में गर्माइश बनी रहती है, पाचन बेहतर होता है और शरीर में जरूरी लचीलापन तथा कई तरह के दर्द से राहत

पपीते में अनेक स्वास्थ्यवर्धक और रोग निवारक गुण होते हैं। यह आसानी से हर कहीं उपलब्ध भी होता है। पपीते के स्वास्थ्यवर्धक गुणों के बारे में आपको विस्तार से बता रहे हैं।

गुणकारी-स्वास्थ्यवर्धक पपीता



हड्डियों को मजबूत करता है। मस्तिष्क और वात जनित रोगों के लिए फॉस्फोरस काम आता है। कार्बोज शरीर में गर्मी पहुंचाता है और प्रोटीन मांसपेशियों की वृद्धि करता है। 100 ग्राम पपीते का गुदा में 56 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। पपीते का नियमित सेवन करने से स्वास्थ्य और जीवन लंबे समय तक रहता है। इसके अलावा एनीमिया, उदर विकार, अर्जिन, मंडागिन,

दुर्बलता, क्षयरोग, दमा, नेत्र और कैंसर का उपयोग, विटामिन-डी की कमी में योगदान करते हैं। हां, बिना सनस्क्रीन के ज्यादा देर तक धूप में रहने से सावधान रहें, क्योंकि ओजोन परत के पतले होने से सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें आसानी से धरती पर पहुंचती हैं और त्वचा कैंसर के खतरे को बढ़ाती हैं। इसलिए विटामिन-डी की कमी से बचने का सबसे अच्छा तरीका है अपने आहार में मछली, मांस, अंडे की जर्दी, फोर्टिफाइड डेयरी उत्पाद और मशरूम को शामिल करें। साथ ही पर्याप्त धूप लें, जो विटामिन-डी का सबसे प्रमुख स्रोत है।*

प्रतिशत होता है। इनके अतिरिक्त कैल्शियम, फॉस्फोरस, लोहा, टार्टरिक एसिड, साइट्रिक एसिड, मैलिक एसिड, विटामिन-ए, बी, सी और डी भी पपीते में पाए जाते हैं। पैप्सिन नामक पदार्थ की उपस्थिति के कारण पपीता का फल पाचन शक्ति में वृद्धि करके मंडागिन को दूर करता है। पैप्सिन हमारे द्वारा खाए प्रोटीन पदार्थों का पाचन करता है। पके हुए पपीते में 'केरोटीन' नामक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होता है, जो हमारे शरीर में पहुंचकर विटामिन-ए बन जाता है। फल में 68 से 100 मिलीग्राम तक विटामिन 'सी' होता है। पपीता का नियमित सेवन करने से हमें विटामिन-ए और विटामिन-सी पर्याप्त मात्रा में मिल जाते हैं, जिससे अनेक रोगों से रक्षा करने में हमें मदद मिलती है। कई तरह से फायदेमंद: पपीते में विटामिन-डी बहुत अधिक मात्रा में मिलता है, जो शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। इससे हड्डियों को ताकतवर बनाया जा सकता है। पपीते का लौह तत्व, रक्त वृद्धि करता है। कैल्शियम शरीर की

खबर संक्षेप



सैदपुर गोशाला को 12 लाख रुपये किए दान

खरखौदा। सैदपुर गोशाला के सामने लगाए गए स्टॉल पर शुद्ध देसी धी और देसी खांड से बना मिठाई की बिक्री कर गो सेवा के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया गया। राजीव दीक्षित ब्रह्मचारी गो सेवा के संस्थापक राकेश मालिक ने अपने बड़े भाई सोनू फौजी व पिता मेहरसिंह के हाथों 12 लाख रुपये गोशाला को दान दिए।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर समारोह

सोनीपत। नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर, ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने इस राष्ट्रीय अभियान को समर्पित सप्ताह के दौरान आयोजित एक विशेष शपथ समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस शपथ के माध्यम से, विद्यार्थियों ने नशा मुक्त भारत का समर्थन करने और अपने एवं समुदाय के लिए एक स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में सकारात्मक योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

साहसिक कैप में भाग लेने वाले छात्र सम्मानित

खरखौदा। पीएम श्री राजकीय विद्यालय के छात्रों को हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत 13 से 17 नवंबर तक एक साहसिक कैप जैसलमेर राजस्थान में आयोजित किया गया था। जिसमें पीएम श्री विद्यालय के 6 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जहां उन्होंने राजस्थान के दर्शनीय स्थल लोगोंवाला बॉर्डर, माता तनोट मंदिर, कैमल व जीप सफारी, जैसलमेर किला, बाबा रामदेव मंदिर, वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों में भाग लिया। स्कूल पहुंचने पर कैप में भाग लेने वाले छात्र- अनमोल, कुनाल, सोरव, आनुष, नीरज, आदित्य को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इंटर कॉलेज एथलेटिक्स चैपियनशिप में रिषम और पूजा ने पाया प्रथम स्थान

सोनीपत। इंटर कॉलेज एथलेटिक्स चैपियनशिप में साउथ पॉइंट कॉलेज के खिलाड़ियों ने शांनवर प्रदर्शन करते हुए संस्वान का नाम रोशन किया है। यह प्रतिभािता जीद स्थित चौ. रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी द्वारा नवदोष स्पोर्ट्स क्लब, नरवाना में आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न स्थानों से टीमें ने भाग लिया था। साउथ पॉइंट कॉलेज से रिषम ने डिस्कस थो और पूजा ने शॉटपुट थो में बेहतर खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। कॉलेज पहुंचने पर साउथ पॉइंट कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि यह चैपियनशिप 14 व 15 अक्टूबर को आयोजित की गई थी। इस चैपियनशिप में डिस्कस थो में 15 तथा शॉटपुट थो में 10 टीमों ने भाग लिया था। साउथ पॉइंट कॉलेज से बीपीएड प्रथम वर्ष के छात्र रिषम ने डिस्कस थो में बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी को पछाड़ी और प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा ने भी शॉटपुट थो में विपक्षी खिलाड़ियों को मात देते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्तर के पूर पर	₹. 2000/-
10 X 8 सें.मी		₹. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

ब्याज सहित रिकवरी की चेतावनी ने लाभार्थियों की उड़ा दी नींद
पीपीपी का 'पेंच' : जिले के 1250 बुजुर्गों की पेंशन पर लगी रोक

सही दस्तावेज अपलोड कर सत्यापन पूरा करने पर पेंशन पुनः जारी कर दी जाएगी : अमित

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी 'परिवार पहचान पत्र' (पीपीपी) योजना अब उन पेंशन लाभार्थियों के लिए गले की फांस बन गई है, जिनके दस्तावेजों में आयु को लेकर विसंगतियां हैं। समाज कल्याण विभाग ने जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1250 लाभार्थियों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। पिछले दो महीने से पेंशन न आने के कारण बुजुर्ग और अन्य लाभार्थी परेशान हैं। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक पीपीपी में दर्ज आयु का सत्यापन नहीं होता और वह पात्रता के अनुरूप नहीं पाई जाती, तब तक पेंशन बहाल नहीं होगी। इतना ही नहीं, गलत तरीके से पेंशन लेने वालों से ब्याज सहित रिकवरी की चेतावनी ने लाभार्थियों की नींद उड़ा दी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह समस्या तकनीकी मिलान (डाटा मैपिंग) के कारण

विभाग का सख्त रुख : परिवार पहचान पत्र में दर्ज कम आयु बनी बाधा, दस्तावेज सत्यापन के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे बुजुर्ग

उत्पन्न हुई है। दरअसल, वर्षों पहले जब इन बुजुर्गों की पेंशन स्वीकृत हुई थी, तब आवेदन प्रक्रिया पीपीपी से नहीं जुड़ी थी। उस समय लाभार्थियों ने वोटर कार्ड, आधार कार्ड या मेडिकल प्रमाणपत्र के आधार पर पेंशन बनवाई थी। अब सरकार ने पेंशन वितरण को पूरी तरह से पीपीपी से लिंक कर दिया है। विभाग द्वारा हाल ही में किए गए डेटा मिलान में सामने आया कि इन 1250 लाभार्थियों की पीपीपी में दर्ज जन्मतिथि उनकी पेंशन रिकॉर्ड वाली आयु से कम है। यानी पीपीपी के अनुसार, वे अभी पेंशन लेने की पात्रता (60 वर्ष) पूरी नहीं करते या उनकी उम्र कम दिखाई दे रही है। इसी आधार पर मुख्यालय से आई सूची के बाद इनकी पेंशन रोक दी गई है।

पेंशन रुकने से समाज कल्याण कार्यालय में बुजुर्गों की मीड़

पेंशन रुकने की खबर मिलते ही लघु सचिवालय स्थित समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में बुजुर्गों की मीड़ जुटने लगी है। कड़क की ठंड और उम्र के इस पड़ाव में बुजुर्ग यह जानने के लिए धक्के खा रहे हैं कि अखिर उनकी बुढ़ापे को लार्डी क्यों छीनी गई। कई लाभार्थियों को तो यह भी मालूम नहीं है कि पीपीपी में उनकी उम्र गलत दर्ज हो गई है, जिसका खामियाजा उन्हें अब भुगताना पड़ रहा है।

डेटा मिलान में आयु पीपीपी में कम मिली

मुख्यालय के निर्देशों पर जिले के 1250 लाभार्थियों की पेंशन रोकी गई है। डेटा मिलान में इनकी आयु पीपीपी में कम पाई गई है। पात्रता सुनिश्चित करने के लिए आयु सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। लाभार्थी जैसे ही सही दस्तावेज अपलोड करवाकर सत्यापन पूरा करेंगे, उनकी पेंशन पुनः जारी कर दी जाएगी। फिलहाल जांच प्रक्रिया जारी है। अमित कुमार, लेखा अधिकारी, जिला समाज कल्याण विभाग, सोनीपत 00

गलत पाए जाने पर ब्याज सहित भरने पड़ेंगे पैसे

विभाग का रुख इस बार बेहद सख्त है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि केवल पेंशन रोकना ही एकमात्र कार्रवाई नहीं है। यदि जांच में यह पाया गया कि किसी व्यक्ति ने जानबूझकर गलत दस्तावेज लगाकर कम उम्र में पेंशन बनवाई थी, तो अब तक ली गई सारी राशि ब्याज समेत वसूल की जाएगी। यह चेतावनी उन लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है, जो अनजाने में पीपीपी की त्रुटियों का शिकार हुए हैं।

क्या है समाधान ?

पेंशन बहाल करवाने के लिए लाभार्थियों को अब अपनी आयु का प्रमाण देना होगा। उन्हें सोएसबी (सोएसबी) सेंटर जाकर पीपीपी में अपनी जन्मतिथि ठीक करवानी होगी। इसके लिए स्कूल प्रमाण पत्र, 2017 से पहले का वोटर कार्ड या जन्म प्रमाण पत्र जैसे ठोस दस्तावेज लगाने होंगे। पीपीपी में उम्र अपडेट होने और विभाग द्वारा उसे सत्यापित करने के बाद ही पेंशन दोबारा शुरू हो सकेगा।

मुख्यल विश्वविद्यालय में 1.80 करोड़ के घोटाले का आरोप

छात्र ने पीएम को भेजा खुला पत्र

अधिकारियों पर अनियमितताओं के लगाए आरोप, पत्र में की उच्च स्तरीय जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

मुख्यल यूनिवर्सिटी में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विश्वविद्यालय के छात्र संदीप ने विवि के अधिकारियों पर मिलीभगत कर हरियाणा सरकार को 1.80 करोड़ रुपये का चूना लगाने का गंभीर आरोप लगाया है। राज्य सरकार द्वारा पूर्व में दी गई शिकायतों पर कार्रवाई न होने से नाराज छात्र ने अब सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए छात्र ने दावा किया कि अधिकारियों ने निजी हितों के चलते 50 करोड़ रुपये की एफडी महज 7.20% की ब्याज दर पर कराई, जबकि बैंक ने 7.94% और अन्य बैंकों ने 7.95% तक का प्रस्ताव दिया था। इस फैसले से सरकार को सीधे तौर पर 75 लाख रुपये का नुकसान हुआ। आरोप है कि अपनी गलती छिपाने के लिए 9 जून 2025 को कराई गई एफडी को पिछली तारीख (28 मार्च 2025) से लागू दिखाया गया, जो बैंकिंग इतिहास में संदिग्ध है।

विवि पर लगाए आरोप बेबुनियाद : संजय

विवि प्रशासन पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। एफ.डी. से संबंधित फाइल फिलहाल प्रोसेस में है। वहीं, विवि में विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस सीधे अकाउंट में जमा होती है। यह पूरी रकम विवि के अकाउंट में उपलब्ध है। अनियमितताओं जैसी कोई बात नहीं है। -संजय कालीरामन, चौफ ऑफ अकाउंट, मुख्यल विवि।

बचत खाते में रखकर डुबोए 1.05 करोड़

संदीप ने यह भी खुलासा किया कि 50 करोड़ की अनियमितता को छिपाने के चक्कर में अधिकारियों ने 33 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एफडी (7.95% रॉयल्टी ब्याज) में डालने के बजाय बचत खाते (2.50% ब्याज) में ही पड़ी रहने दी। इससे सरकारी खजाने को 1.05 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ। छात्र ने आशंका जताई है कि दोनों अधिकारी पद का दुरुपयोग कर साक्ष्यों को जला या फाड़ सकते हैं। संदीप ने पत्र की प्रतिलिपि राज्यपाल, मुख्यमंत्री, डीजीपी और विजिलेंस ब्यूरो को भेजकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

विवि पर लगाए आरोप बेबुनियाद : संजय

विवि प्रशासन पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। एफ.डी. से संबंधित फाइल फिलहाल प्रोसेस में है। वहीं, विवि में विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस सीधे अकाउंट में जमा होती है। यह पूरी रकम विवि के अकाउंट में उपलब्ध है। अनियमितताओं जैसी कोई बात नहीं है। -संजय कालीरामन, चौफ ऑफ अकाउंट, मुख्यल विवि।

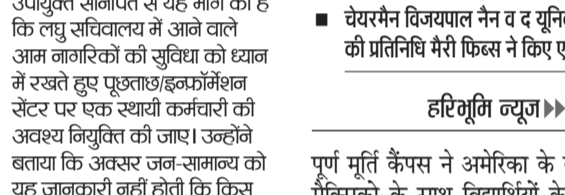
महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण अध्याय इंदिरा गांधी का जीवन : पंवार

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

जिला कांग्रेस भवन में भारत की पहली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। इसमें अनुशासन समिति के अध्यक्ष व पूर्व सांसद चौ. धर्मपाल सिंह मलिक, ग्रामीण जिलाध्यक्ष संजीव दहिया, पूर्व विधायक सोनीपत सुरेंद्र पंवार, नीलकंठ मुखीजा, सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा, जिलाध्यक्ष ग्रामीण (एससी) सुषमा, प्रदीप गौतम, सतपाल चौहान, प्रेम गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने शिरकत कर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जीवन न सिर्फ प्रेरणादायक है बल्कि देश में महिला सशक्तिकरण के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय भी है। जिलाध्यक्ष ग्रामीण संजीव दहिया ने कहा कि उनका देश के प्रति समर्पण भाव सभी को यादगार है, उनका दृढ़ विश्वास अद्वितीय था। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही एक समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने हमेशा भारत को नई ऊंचाई पर लेने जाने की कोशिश की। इस दौरान दयानंद बाल्मीकि, ऋतू राज, रणदीप दहिया, पुनीत राणा, मंजू मलिक, आशा अहलावत, जोगिंदर, प्रेम रेलन, राकेश सौदा, दयानन्द, रेखा, कुलदीप खासा, जोगिंदर सहित अन्य मौजूद रहे।

लघु सचिवालय में पूछताछ केंद्र पर कर्मचारी नियुक्त करने की मांग

सोनीपत। सोनीपत नगर सुधार मंच के चेयरमैन संजय सिंगला ने उपायुक्त सोनीपत से यह मांग की है कि लघु सचिवालय में आने वाले आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूछताछ/इनकॉर्पोरेशन सेंटर पर एक स्थायी कर्मचारी की अवश्य नियुक्ति की जाए। उन्होंने बताया कि अक्सर जन-सामान्य को यह जानकारी नहीं होती कि किस कमरे में कौन-सा कार्य होता है, किस विभाग से किस प्रकार की सेवा मिलती है, और किस अधिकारी से किस विषय में संपर्क करना है। सही जानकारी न मिलने के कारण लोग इधर-उधर परेशान होकर भटकते रहते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है और कई वरिष्ठ नागरिकों तथा महिलाओं को अतिरिक्त असुविधा का सामना करना पड़ता है।



सोनीपत। कांग्रेस जिला कार्यालय में कार्यक्रम के दौरान अपनी बात रखते हुए पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार।

था। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही एक समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने हमेशा भारत को नई ऊंचाई पर लेने जाने की कोशिश की। इस दौरान दयानंद बाल्मीकि, ऋतू राज, रणदीप दहिया, पुनीत राणा, मंजू मलिक, आशा अहलावत, जोगिंदर, प्रेम रेलन, राकेश सौदा, दयानन्द, रेखा, कुलदीप खासा, जोगिंदर सहित अन्य मौजूद रहे।

पूर्ण मूर्ति कैम्पस ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी से किया शैक्षणिक करार

चेयरमैन विजयपाल नैन व द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको की प्रतिनिधि मैरी फिन्ब ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

पूर्ण मूर्ति कैम्पस ने अमेरिका के द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको के साथ विद्यार्थियों के एक्सचेंज प्रोग्राम एवं जॉइंट कॉलेब्रेशन रिसर्च के लिए शैक्षणिक करार किया है। पूर्ण मूर्ति कैम्पस के चेयरमैन डा.विजयपाल नैन व द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको की प्रतिनिधि मैरी फिन्ब ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर एक अनूठी शैक्षणिक पहल की है। इस अवसर पर संस्था के सचिव गौतम नैन, प्रबंध निदेशक कपिल भाटिया, डायरेक्टर इंटरनेशनल संजय धिमिरे व बिजॉय विशेष रूप से मौजूद रहे। डा.विजयपाल नैन ने कहा कि हमारी इस पहल से कैम्पस में पढ़ने वाले इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट,



सोनीपत। पूर्ण मूर्ति कैम्पस के चेयरमैन डा.विजयपाल नैन व द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको की प्रतिनिधि मैरी फिन्ब एमओयू दिखलाते हुए, साथ में प्रबंध निदेशक कपिल भाटिया व डायरेक्टर इंटरनेशनल संजय धिमिरे।

फार्मसी व लॉ के छात्र अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप गुणवत्ता युक्त शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। इस मौके पर पूर्ण मूर्ति कैम्पस के कोषाध्यक्ष भोपाल सिंह, एम.डी.इंजी.संघदीप शाक्य, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डा.स्वीटी, कैम्पस डायरेक्टर कुलदीप, रजिस्ट्रार कंवलजीत सिंह संघू आदि मौजूद रहे।

एसीपी कार्यालय पहुंचा किन्नर समाज, सुरक्षा व कार्रवाई की लगाई गुहार

गन्जौर। किन्नर समाज ने एसीपी कार्यालय पहुंच कर कुछ व्यक्तियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुरक्षा व संरक्षण कार्रवाई की मांग की। को इस दौरान जिला प्रधान काजल चेली प्रकाशी ने एसीपी को शिकायत दी। काजल ने शिकायत में बताया कि सुभाष, प्रियंका सहित आठ लोग मिलकर बहुरूपिया युवकों को किन्नर बनकर क्षेत्र में बघाड़या मांग रहे हैं और लोगों से ठगों कर किन्नर समाज की छवि धूमिल कर रहे हैं। काजल का कहना है कि वह अपने गुरुओं द्वारा सौंपी गई मुख्य गद्दी की जिम्मेदारी इंगमनदारी से निभा रही हैं, लेकिन आरोपीत इंटरनेट मीडिया पर उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों ने पहले भी उन्हें फंसाने के लिए थान गन्जौर में झूठी शिकायत दी थी, जो जांच में गपट पाई गई। काजल ने बताया कि आरोपित आपराधिक प्रवृत्ति के युवकों को साथ मिलाकर उनके शिष्टियों को धमकाते हैं, बघाड़ मांगने से रोकते हैं और मारपीट पर उत्तारू हो जाते हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी की सोनीपत शाखा और हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की पॉलिटेक्निक साइंस विभाग इकाई के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को उन्हीं के प्रांगण में 'साधना दिवस' का आयोजन किया गया। यह आयोजन एकनाथ राणा की जयंती के रूप में मनाया गया जिन्होंने स्वामी विवेकानन्द के ऐतिहासिक एवं भव्य स्मारक बनाने और उनके भारत राष्ट्र के उत्थान के विचारों को बढ़ाने के लिए विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी की स्थापना में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण और छात्रा के सुन्दर गीत के साथ हुआ।

जीवन में संस्कारों का होना जरूरी

हिंदू गर्ल्स कॉलेज में विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की सोनीपत शाखा ने 'साधना दिवस' पर कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी की सोनीपत शाखा और हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की पॉलिटेक्निक साइंस विभाग इकाई के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को उन्हीं के प्रांगण में 'साधना दिवस' का आयोजन किया गया। यह आयोजन एकनाथ राणा की जयंती के रूप में मनाया गया जिन्होंने स्वामी विवेकानन्द के ऐतिहासिक एवं भव्य स्मारक बनाने और उनके भारत राष्ट्र के उत्थान के विचारों को बढ़ाने के लिए विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी की स्थापना में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण और छात्रा के सुन्दर गीत के साथ हुआ।

एकनाथ राणा के योगदान के बारे में बताया

इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. विपशा अग्रवाल जी, उप प्राचार्या डॉ. अनीता गोयल जी, एन.एस.एस. की अधिकारी डॉ. नीलम, पॉलिटेक्निक साइंस विभाग की अध्यक्षता कोमल मालिक और पॉलिटेक्निक साइंस विभाग की 80 छात्राएं कार्यक्रम में रहीं। विवेकानंद केंद्र शाखा सोनीपत से डॉ. सुधीर गर्ग, दीपांकर मदन और अनिल चूध कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मंच का संवाहन डॉ. नीलम द्वारा करते हुए आज के समय जीवन में संस्कारों का होना भी अनिवार्य बताया। विवेकानन्द केंद्र से पछारे मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. सुधीर गर्ग एवं अनिल चूध ने एकनाथ राणा के योगदान के बारे में उद्घोषित किया। डॉ. सुधीर गर्ग जी ने आयोजन में उपस्थित सभी श्रोताओं से कन्याकुमारी में बनी स्वामी विवेकानंद के स्मारक और विवेकानंद केंद्र की स्थापना में एकनाथ राणा के जीवनकाली योगदान की सम्पूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनके विचारों से आलम्बल, कर्मशीलता और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा मिलती है। छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वे शिक्षा, सेवा और संस्कृति को अपने जीवन का आधार बनाएं।

स्वच्छता एचएसवीपी से मिली एनओसी, बिना पक्के निर्माण के हरियाली बढ़ाने के लिए तैयार

स्थानीय निवासियों को टहलने के लिए मिलेगा स्वच्छ वातावरण

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब मुख्यल रोड स्थित राजीव कॉलेजों के बाहर और सेक्टर-13 में कबीरपुर वाटर वर्क्स के पास की बंजर और गंदगी से अटी पड़ी जमीन का कायाकल्प होगा। नगर निगम मेयर राजीव जैन के प्रयासों के बाद, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की जमीनों पर हरित पट्टियां (ग्रीन बैल्ट) विकसित करने का रास्ता साफ हो गया है। इस कदम से न

गंदगी के ढेरों की जगह लहलहाएगी हरियाली निगम विकसित करेगा दो नए 'ग्रीन जोन'



सोनीपत। अधिकारियों के साथ जमीन का निरीक्षण करते हुए मेयर।

केवल गंदगी का खात्मा होगा, सुबह-शाम टहलने के लिए स्वच्छ वातावरण भी मिलेगा।

सेक्टर-13 में जमीन का किया निरीक्षण

दूसरी ओर, सेक्टर-13 में कबीरपुर वाटर वर्क्स के साथ लगती खाली जमीन, जो कूड़े के ढेर में तब्दील हो चुकी थी, उसके समाधान के लिए भी मेयर ने कड़ा रुख अपनाया। मेयर जैन ने पार्षद प्रतिनिधि देवेन्द्र सेनी, एचएसवीपी की ग्रीन बैल्ट वाली जमीन को विकसित करने के लिए प्रयासरत थीं। उन्होंने शहरी विकास प्राधिकरण से इसके लिए अनापति प्रमाण पत्र (एनओसी) की मांग की थी। प्राधिकरण ने अब लिखित रूप में एनओसी जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि यह क्षेत्र हरित पट्टी के लिए है। यदि नगर निगम इसे पार्क या ग्रीन बैल्ट के रूप में विकसित करना चाहता है, तो प्राधिकरण को कोई आपत्ति नहीं है।

पक्के निर्माण की मनाही

मौके पर मौजूद प्राधिकरण के अधिकारियों ने सुझाव दिया कि यदि जमीन पर कोई स्थाई (पक्का) निर्माण न किया जाए और केवल पेड़-पौधे लगाए जाएं, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। मेयर राजीव जैन ने इस सुझाव का स्वागत करते हुए कहा कि निगम यहां सुंदर हरित पट्टी विकसित करेगा। इससे कबीरपुर और शहरीपुर के निवासियों को गंदगी से मुक्ति मिलेगी और उन्हें घूमने-फिरने के लिए एक नया और स्वच्छ स्थान उपलब्ध हो सकेगा।